कजरा मोहब्बत वाला, अंखियों में ऐसा डाला...

डा विजय सुखवानी
लेखक, मोटिवेशनल स्पीकर
v1sukhwani@gmail.com

हिंदी फिल्मों के इतिहास में जब भी रूहानी और रूमानी गीतों की बात होती है, तो अपेक्षाकृत कम चर्चित मगर आला दर्जे के गीतकार 'शम्स-उल-हुदा बिहारी' का नाम जरूर लिया जाता है. हिंदी फ़िल्मी संगीत के स्वर्ण युग में जब बड़े-बड़े शायरों और कवियों का दबदबा था, तब शम्स-उल-हुदा बिहारी, जिन्हें लोग एस. एच. बिहारी के नाम से जानते हैं, ने अपनी सरल, दिलकश, रूहानी शायरी से फ़िल्मी दुनिया में अपनी अलग पहचान कायम की.

एस. एच. बिहारी का जन्म बिहार के आरा जिले में हुआ था. उनकी शिक्षा कोलकाता के प्रतिष्ठित प्रेसीडेंसी कॉलेज में हुई. कम लोग जानते हैं वे एक बेहतरीन फुटबॉल खिलाड़ी भी थे और कोलकाता के मशहूर मोहन बागान क्लब के लिए खेला करते थे. वर्ष 1947 में वे अपनी किस्मत आजमाने मुंबई आये और एक रबर कम्पनी में सहायक प्रबंधक बन गये. उन्हें पहला बड़ा ब्रेक फिल्म 'लाडली' (1949) में मिला, जब प्रसिद्ध संगीतकार अनिल विश्वास ने रेडियो पर उनकी एक ग़ज़ल सुनी और उन्हें ढूंढ निकाला और फ़िल्म 'लाडली' में दो गीत लिखने का अवसर दिया.

उनका पहला गीत था 'मैं एक छोटी सी चिंगारी हूँ मचलती हूं हवाओं में', जो हिट हुआ, मगर असल में उनका सितारा चमका 1954 में फ़िल्म 'शर्त' से. इस फिल्म में हेमंत कुमार की धुनों ने उनके लिखे गीतों को यादगार बना दिया. फ़िल्म के गीत 'न ये चांद होगा, न तारे रहेंगे' और 'देखो वो चांद छिपके करता है क्या इशारे' लोगों की जुबां पर छा गये.

बिहारी साहब ने अपने करियर में कई बड़े संगीतकारों के साथ काम किया, लेकिन उनकी सबसे सफल जोड़ी हेमंत कुमार और ओ.पी. नैय्यर के साथ रहीं. खासकर ओ.पी. नैय्यर और एस.एच. बिहारी की जोड़ी हिंदी सिनेमा की सबसे 'लयबद्ध' जोड़ियों में से एक मानी जाती है. बिहारी साहब की सरल मगर लाजवाब शायरी और नैय्यर साहब की नशीली धुनों ने मिलकर जो जादू रचा वो अविस्मरणीय है. ओ.पी. नैय्यर, बिहारी साहब को प्यार से 'शायर-ए-आजम' कहते थे. उनका मानना था कि जो रवानगी और मस्ती बिहारी साहब के शब्दों में है, वो किसी और के पास नहीं. इस लाजवाब जोड़ी ने 'बसंत', 'कश्मीर की कली', 'एक मुसाफिर एक हसीना', 'सावन की घटा' और 'किस्मत' जैसी सुपर हिट फिल्मों में संगीत का अद्भुत जादू बिखेरा.

एस.एच. बिहारी और ओ.पी. नैयर की जोड़ी की फ़िल्म 'कश्मीर की कली' के 'तारीफ करूं क्या उसकी जिसने तुम्हें बनाया', 'दीवाना हुआ बादल', 'इशारों इशारों में दिल लेने वाले', 'मेरी जाँ बल्ले बल्ले', 'है दुनिया उसी की ज़माना उसी का', 'बलमा खुली हवा में' और इसी प्रकार फ़िल्म 'सावन की घटा' के 'जुल्फों को हटा ले चेहरे से', 'आज कोई प्यार से दिल की बातें कह गया', 'मेरी जान तुम पे सदके' और 'हौले-हौले चलो मोरे साजना', जैसे गीत आज भी सुनने वालों की धड़कनें बढ़ा देते हैं. इसी जोड़ी के फ़िल्म 'किस्मत' के गीत 'कजरा मोहब्बत वाला,अखियों में ऐसा डाला', 'आओ हुज़ूर तुमको', 'आँखों में क़यामत के काजल', 'लाखों हैं यहां दिलवाले पर प्यार नहीं' भी जबरदस्त हिट रहे .झ

गायक-संगीतकार हेमंत कुमार के लिए उन्होंने ''झलक', 'यहूदी की लड़की', 'हिल स्टेशन' आदि फिल्मों के लिए कई सदाबहार गीत लिखे. इसके अलावा उन्होंने रवि, मदन मोहन, शंकर-जयकिशन और बाद के वर्षों में लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल के साथ भी यादगार काम किया.

एस एच बिहारी मोहब्बत के शायर थे. मोहब्बत के तमाम रंग और आयाम उनके गीतों में झिलमिलाते हैं. इन गीतों में सादगी भी है, गहराई भी. इसलिए उनके लिखे कालजयी गीत आज भी गुनगुनाए जाते हैं. 'कजरा मोहब्बत वाला' (किस्मत), 'बहुत शुक्रिया बड़ी मेहरबानी' (एक मुसाफिर एक हसीना), 'यही वो जगह है' (ये रात फिर न आएगी), 'चैन से हमको कभी आपने जीने न दिया' (प्राण जाये पर वचन न जाये), 'न जाने क्यों हमारे दिल को तुमने दिल नहीं समझा' (मुहब्बत ज़िन्दगी है) 'मेरा प्यार वो है जो मरकर भी' (ये रात फिर न आएगी), 'मुझे देखकर आपका मुस्कुराना' (एक मुसाफिर एक हसीना), 'ये दिल ले के नजराना' (एक बार मुस्करा दो), 'ओ कन्हैया कन्हैया पनघट पे तेरी राधा अकेली खड़ी' (हमसाया), 'कहाँ से लायी हो जानेमन ये किताबी चेहरा ये गुलाबी' (दिल और मोहब्बत), 'तुमसे मिलकर न जाने क्यों' (प्यार झुकता नहीं) आदि गीतों में सुनने वालों को अपने दिल की आवाज महसूस होती है.

एक मशहूर किस्सा है कि फिल्म 'एक मुसाफिर एक हसीना' का सुपर हिट गाना 'बहुत शुक्रिया बड़ी मेहरबानी', बिहारी साहब ने एक बस यात्रा के दौरान लिख डाला था. दरअसल उनके पास कागज नहीं था, तो उन्होंने बस के टिकट के पीछे ही मुखड़ा लिख डाला और नैय्यर साहब को जाकर सुनाया, जिन्हें वह तुरंत पसंद आ गया और बाद में ये गाना बड़ा लोकप्रिय हुआ.

जहाँ एक तरफ ओ.पी. नैय्यर अपनी स्टाइलिश जीवन शैली के लिए मशहूर थे, वहीं बिहारी साहब बड़े ही सादगी प्रिय इंसान थे. इस विरोधाभास के बावजूद उनके बीच गज़ब का तालमेल था, जो उनके गीतों में भी दिखाई देता है. बिहारी साहब को पान खाने का बहुत शौक था. वे अक्सर नैय्यर साहब के स्टूडियो में पान चबाते हुए अपनी डायरी लेकर बैठते थे. जब भी नैय्यर साहब कोई धुन गुनगुनाते, तो बिहारी साहब सिर्फ मुस्कुराकर कुछ पंक्तियाँ लिख देते थे, ये पंक्तियाँ अक्सर 'सुपरहिट' साबित होती थीं.

उनकी शब्दावली बहुत ही सरल, सरस और आम श्रोता के दिल को छूने वाली होती थी. 1980 के दशक में जब वे फिल्म जगत से लगभग दूर हो गए थे, तब फिल्म 'प्यार झुकता नहीं' और 'तेरी मेहरबानीयां' के गीतों, विशेषकर 'प्यार झुकता नहीं' के अत्यंत लोकप्रिय गीत 'तुमसे मिलकर ना जाने क्यों और भी कुछ याद आता है' और 'चाहे लाख तूफान आएं' और 'तेरी मेहरबानीयां' के गीत 'तेरी मेहरबानीयां, तेरी कद्रदानियाँ' और 'दिल बेक़रार था' ने उन्हें दोबारा लोकप्रिय कर दिया. वे केवल गीतकार ही नहीं थे, उन्होंने फिल्मों की पटकथा भी लिखी. ब्लॉकबस्टर फिल्म 'प्यार झुकता नहीं' की कहानी और पटकथा उन्होंने ही लिखी थी. बिहारी जी की सबसे बड़ी विशेषता उनके शब्दों की सरलता थी, वे जटिल दार्शनिक बातों को भी इतने आसान शब्दों में कह जाते थे कि आम श्रोता उनसे आसानी से जुड़ जाते थे .

बिहारी साहब का पारिवारिक जीवन काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा उन्होंने व्यक्तिगत त्रासदियाँ भी झेलीं, जिनमें उनके बच्चों का निधन शामिल था . सत्तर के दशक में ओ पी नैयर का कॅरियर ढलने के बाद बिहारी साहब ने लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल के लिए 'प्यार झुकता नहीं', 'तेरी मेहरबानियां', 'नसीब अपना-अपना', 'असली-नकली' 'कसम सुहाग की', 'औलाद', 'जवाब हम देंगे' आदि फिल्मों के लिए गीत लिखे. फ़िल्म 'मुद्दत' में बप्पी लाहिड़ी के संगीत में लिखा उनका गीत 'प्यार हमारा अमर रहेगा याद करेगा जहाँ', बहुत पसंद किया गया, लेकिन एक्शन से भरी फिल्मों के दौर में गीत-संगीत का स्वरुप काफी बदल चुका था. इस लिये खुद को दौड़ में बनाए रखने के लिए अपने आखिरी दौर में उनको 'रस्ते का माल सस्ते में' (औलाद) और 'दिल मेरा चुटकी बजा के ले चली' (दो कैदी) जैसे साधारण स्तर के गीत भी लिखने पड़े.

एस एच बिहारी ऐसे गीतकार थे जिन्होंने फ़िल्मी दुनिया की चकाचौंध के बीच भी गीतों में साहित्य, शायरी और संवेदनाओं को सदा जिंदा रखा. 'शायर-ए-आजम' के नाम से मशहूर बिहारी आज भले ही हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके लिखे मस्ती भरे शोख रूमानी गीत हिंदी सिनेमा की अनमोल विरासत हैं, उनके गीत आज भी सिने प्रेमियों के दिलों में धड़कते हैं और हमेशा धड़कते रहेंगे. आज के लिये इतना ही,अगले हफ्ते फिर मुलाक़ात होगी, तब तक एस एच बिहारी साहब के सदाबहार दिलकश गीतों का आनंद लीजिये .

हर मुद्दे पर खुलकर बोलीं स्वरा भास्कर

बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर का जन्म 9 अप्रैल 1988 को हुआ था. आज एक्ट्रेस अपना 38वां जन्मदिन मना रही है. स्वरा भास्कर अपनी फिल्मों से ज्यादा अपने बेबाक बयानों और सोशल मीडिया पोस्ट्स को लेकर चर्चा में रहती हैं. स्वरा ने जहां एक ओर अभिनय के जरिए पहचान बनाई, वहीं दूसरी ओर कई विवादों के चलते उन्हें अक्सर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा.

स्वरा भास्कर ने अपने करियर में कई फिल्मों में काम किया, लेकिन उनकी ज्यादातर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर औसत या फ्लॉप साबित हुईं. हालांकि, प्रेम रतन धन पायो और तनु वेड्स मनु रिटर्न्स जैसी बड़ी फिल्मों में उनकी भूमिका को सराहा गया. इसके बावजूद, उनकी पहचान एक ऐसी अभिनेत्री के रूप में बनी, जो बिना झिझक अपने विचार खुलकर रखती हैं.

शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की फिल्म पठान के गाने 'बेशर्म रंग' को लेकर जब विवाद हुआ, तो स्वरा भास्कर ने खुलकर अपनी राय रखी. उन्होंने एक राजनेता पर कटाक्ष करते हुए कहा कि नेताओं को अभिनेत्रियों के कपड़ों पर ध्यान देने के बजाय अपने काम पर फोकस करना चाहिए. उनके इस बयान ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी थी.

स्वरा का एक और बयान उस वक्त चर्चा में आया जब उन्होंने हिजाब विवाद की तुलना महाभारत की द्रौपदी के चीरहरण से की. इस टिप्पणी को लेकर उन्हें भारी आलोचना का सामना करना पड़ा और सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया गया. फिल्म पद्मावत के रिलीज के बाद स्वरा भास्कर ने निर्देशक संजय लीला भंसाली को एक खुला पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने फिल्म के जौहर सीन पर सवाल उठाए.

78 वर्ष की हुई जया भादुड़ी

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री जया भादुड़ी आज 77 वर्ष की हो गयी. जया भादुड़ी (जया बच्चन) का जन्म 09 अप्रैल 1948 को बंगाली परिवार में हुआ था. उनके पिता तरुण भादुड़ी पत्रकार थे.जया भादुड़ी ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा संत जोसेफ कानवेंट से पूरी की. इसके बाद उन्होंने पुणा फिल्म इंस्टीच्यूट में दाखिला ले लिया .सत्तर के दशक में अभिनेत्री बनने का सपना लेकर जया भादुड़ी ने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रख दिया. जया भादुड़ी ने अपने सिने करियर की शुरुआत 15 वर्ष की उम्र में महान निर्माता-निर्देशक सत्यजीत रे की बंग्ला फिल्म महानगर से की.इसके बाद उन्होंने एक बंग्ला कॉमेडी फिल्म धन्नी मेये में भी काम किया, जो टिकट खिड़की पर सुपरहिट साबित हुयी.

जया भादुड़ी को प्रारंभिक सफलता दिलाने में निर्माता-निर्देशक ऋषिकेश मुखर्जी की फिल्मों का बड़ा योगदान रहा.उन्हें पहला बड़ा ब्रेक उनकी ही वर्ष 1971 में प्रदर्शित फिल्म गुड्डी से मिला. इस फिल्म में जया ने एक ऐसी लड़की की भूमिका निभाई, जो फिल्में देखने की काफी शौकीन है और अभिनेता धर्मेंद्र से प्यार करती है .अपने इस किरदार को जया भादुड़ी ने इतने चुलबुले तरीके से निभाया कि दर्शक उस भूमिका को आज भी भूल नही पाये हैं.वर्ष 1972 में जया भादुड़ी को ऋषिकेष मुखर्जी की ही फिल्म कोशिश में काम करने का अवसर मिला,जो उनके सिने करियर के लिये मील का पत्थर साबित हुयी.

इस फिल्म की सफलता के बाद वह शोहरत की बुलंदियों पर जा पहुंचीं. वह इस फिल्म में दमदार अभिनय के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार के लिए नामांकित भी की गयी.

फिल्म कोशिश में जया भादुड़ी ने गूंगे की भूमिका निभायी, जो किसी भी अभिनेत्री के लिये बहुत बड़ी चुनौती थी .बिना संवाद बोले सिर्फ आंखो और चेहरे के भाव से दर्शको को सब कुछ बता देना जया भादुड़ी की अभिनय प्रतिभा का ऐसा उदाहरण था जिसे शायद ही कोई अभिनेत्री दोहरा पाये.कोशिश की सफलता के बाद ऋषिकेश मुखर्जी जया भादुड़ी के पसंदीदा निर्देशक बन गये. बाद में जया भादुड़ी ने उनके निर्देशन में बावर्ची, अभिमान, चुपके-चुपके और मिली जैसी कई फिल्मों में अपने अभिनय का जौहर दिखाया . वर्ष 1972 में प्रदर्शित फिल्म एक नजर के निर्माण के दौरान जया भादुड़ी का झुकाव फिल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन की ओर हो गया इसके बाद जया भादुड़ी और अमिताभ बच्चन ने वर्ष 1973 में शादी कर ली .शादी के बाद भी जया भादुड़ी ने फिल्मों में काम करना जारी रखा.

ध्यान ने उन्हें जमीन से जुड़े रहने में मदद की : बाबिल खान

अभिनेता बाबिल खान ने हाल ही में एक कार्यक्रम में ध्यान के बारे में अपने गहरे विचार साझा किए और मन की शांति और संतुलन पर एक अलग नज़रिए पेश किया. अपने सोचने के अंदाज़ और भावनात्मक गहराई के लिए जाने जाने वाले बाबिल ने कहा कि उनके लिए ध्यान सिर्फ एक अभ्यास नहीं, बल्कि एक जीने का तरीका है.

बाबिल ने समझाया कि ध्यान को किसी अलग काम या रोज़ की सूची में शामिल करने वाली चीज़ की तरह नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसे अपने रोज़मर्रा के जीवन का हिस्सा बना लेना चाहिए. उन्होंने बताया कि जब इंसान अपने मन को संतुलित रखता है, तो वह रोज़ की भागदौड़ के बीच भी शांत और स्थिर रह सकता है.

अपने अनुभव के बारे में बाबिल ने कहा, 'ध्यान को एक काम की तरह नहीं करना चाहिए, बल्कि अपने मन को इस तरह तैयार करना चाहिए कि वह पूरे दिन अपने आप होता रहे. आपको खुद के साथ सहज होना चाहिए, अपने आप से लड़ना नहीं चाहिए. ऐसा सोच बनानी चाहिए जिससे आप पूरे दिन आत्मविश्वास के साथ जी सकें. यह खुद से प्यार करने जैसा है. वहां तक पहुंचने के लिए सबसे पहले खुद को स्वीकार करना ज़रूरी है.'

बाबिल की बातों से साफ है कि असली शांति का आधार खुद को स्वीकार करना है. बाबिल मानते हैं कि जब इंसान बिना किसी डर या झिझक के खुद को अपनाता है, तो जीवन में संतुलन और अनुशासन अपने आप आ जाता है.

फिल्म 'एवरीबडी लव्स सोहराब हांडा' का ट्रेलर जारी

जी 5 ने अपनी आने वाली फिल्म एवरीबडी लव्स सोहराब हांडा का ट्रेलर जारी कर दिया है. यह एक स्टाइलिश मर्डर मिस्ट्री फिल्म है, जिसे अपलॉज़ एंटरटेनमेंट और मिथ्या टॉकीज़ ने मिलकर प्रोड्यूस किया है. फिल्म के लेखक और निर्देशक प्रसिद्ध फिल्ममेकर और अभिनेता रजत कपूर हैं. यह फिल्म सीधे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी और 10 अप्रैल से हिंदी जी 5पर स्ट्रीम होगी.

इस फ़िल्म में नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले और ज़बरदस्त परफ़ॉर्मर कलाकारों की एक दमदार टीम है जिसमें विनय पाठक, रणवीर शौरी, वालुशा डिसूज़ा, सौरभ शुक्ला, नील भूपालम, कोयल पुरी, चंद्रचूड़ राय, पालोमी घोष और खुद रजत कपूर शामिल हैं. यह फ़िल्म एक क्लासिक हूडनिट वाली कहानी है, जिसे एक बिल्कुल नए, आज के ज़माने के और थोड़े गहरे-मज़ेदार नज़रिए से दिखाया गया है.

कहानी के केंद्र में सोहराब हांडा (विनय पाठक द्वारा अभिनीत) हैं, एक तीखी जुबान वाला, बदतमीज़ और घमंडी व्यक्ति, जिसकी चुभती बातों और निडर अहंकार की वजह से वह किसी भी कमरे में सबसे ज्यादा ध्यान आकर्षित करता है. लोग उसकी ईमानदारी के लिए उसे सहन करते हैं, लेकिन उसकी घमंड भरी आदतों से उसे अंदर ही अंदर नापसंद करते हैं. सोहराब को दूसरों को परेशान करना और उनकी भावनाओं को चुनौती देना पसंद है.

सितारों ने याद दिलाया, सेहत को कभी न करें नजरअंदाज

वर्ल्ड हेल्थ डे यानी विश्व स्वास्थ्य दिवस हमें रुककर उस चीज़ के बारे में सोचने का मौका देता है, जिसे हम अपनी भागदौड़ भरी जिंदगी में अक्सर नजरअंदाज़ कर देते हैं. और वो कीमती चीज़ है हमारी सेहत. काम और रोजमर्रा की जिम्मेदारियों के बीच हम अपनी देखभाल को पीछे रख देते हैं. लेकिन एक संतुलित और खुशहाल जिंदगी के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहना बेहद जरूरी है. सही खाना, एक्टिव रहना और थोड़ा समय खुद के लिए निकालना जैसी छोटी-छोटी आदतें लंबे समय में बड़ा फर्क लाती हैं. इस वर्ल्ड हेल्थ डे पर ज़ी टीवी के सितारों 'वसुधा' के अभिषेक शर्मा, 'तुम से तुम तक' के नासिर खान, 'लक्ष्मी निवास' के राजेंद्र चावला, 'जगद्धात्री' के फरमान हैदर, 'जाने अनजाने हम मिले' की जयती भाटिया और 'गंगा माई की बेटियां' की इंदिरा कृष्णा ने बताया कि व्यस्त शेड्यूल के बीच वे अपनी सेहत का ख्याल कैसे रखते हैं. 'वसुधा' में खास भूमिका निभा रहे अभिषेक शर्मा कहते हैं, 'हमारे काम के शेड्यूल ऐसे होते हैं कि सेहत को नजरअंदाज करना बहुत आसान हो जाता है, लेकिन मैंने समझा है कि छोटी-छोटी कोशिशें भी मायने रखती हैं. समय पर खाना, पूरी नींद लेना या थोड़ा वक्त निकालकर एक्सरसाइज करना और उसमे नियमित रहना सबसे जरूरी है. मेरे लिए सेहत का मतलब कुछ बहुत बड़ा करना नहीं, बल्कि रोज छोटे-छोटे सही फैसले लेना है.'

पुष्पा हमेशा दिल से जीने वाली शख्सियत रही है : करुणा पांडे

अभिनेत्री करुणा पांडे का कहना है कि सोनी सब के शो पुष्पा इम्पॉसिबल में उनका किरदार पुष्पा हमेशा दिल से जीने वाली शख्सियत रही है. सोनी सब का शो पुष्पा इम्पॉसिबल एक भावनात्मक मोड़ लेने जा रहा है, जहाँ पुष्पा (करुणा पांडे) अपने जीवन के सबसे कठिन दौर का सामना करती दिखाई देंगी. ईमानदारी और हिम्मत के लिए जानी जाने वालीं पुष्पा अचानक एक ऐसे विवाद में फंस जाती हैं, जो उनकी पूरी पहचान और मूल्यों पर सवाल खड़ा कर देता है. आने वाले एपिसोड्स में शनाया बच्चों को बापोदरा चाल में ट्यूशन देना शुरू करती है. एक बच्चे को बुलींग का सामना करने पर उसका हौंसला बढ़ाने की कोशिश में शनाया की सलाह माता-पिता को खटक जाती है और टकराव की स्थिति बन जाती है. इसके बाद टेरेस को बंद कर दिया जाता है, लेकिन, शनाया हार नहीं मानती और तितली, अंश और रोशन की मदद से गुपचुप क्लासेस जारी रखती है. जब पुष्पा को इस बारे में पता चलता है तो वे हैरान होती हैं, लेकिन धीरे-धीरे शनाया की नीयत और उसकी ताकत को समझने लगती हैं. इसी बीच पुष्पा को यह भी पता चलता है कि शनाया ने अश्विन की मदद करने के लिए अपने कपड़े बेच दिए थे, जिसकी वजह से उसका लाइसेंस सस्पेंड हो गया. हालात और बिगड़ते हैं, जब शनाया को चिकनपॉक्स हो जाता है. ऐसे समय में पुष्पा उसका बेहद प्यार और अपनापन से ख्याल रखती हैं. यही पल शनाया के लिए टर्निंग पॉइंट बन जाता है, जब उसे पहली बार माँ जैसी ममता का एहसास होता है और वह पुष्पा को एक नए नजरिए से देखने लगती है. करुणा पांडे ने कहा,पुष्पा हमेशा दिल से जीने वाली शख्सियत रही है. लेकिन, उसकी सबसे खास बात यह है कि वह लोगों की गलतियों से आगे बढ़कर उनकी नीयत को देखती है. इस ट्रैक में मुझे सबसे ज्यादा यह छू गया कि वह जज करने के बजाए समझने का रास्ता चुनती है.

कृतिका कामरा की शादी के बाद काम पर वापसी

बॉलीवुड अभिनेत्री कृतिका कामरा ने शादी के बाद काम पर वापसी कर ली है. कृतिका कामरा ने अपनी शादी के तुरंत बाद फिर से काम शुरू कर दिया है और पूरी तरह से अपने प्रोफेशनल कमिटमेंट्स में जुट गई हैं. शादी के बाद उन्होंने थोड़ा सा ब्रेक लिया, लेकिन अब वह अपनी आने वाली सीरीज़ मटका किंग के प्रमोशन और साथ ही अपने नए प्रोजेक्ट की शूटिंग में व्यस्त हैं.

शादी के बाद कृतिका और उनके पति गौरव कपूर ने गोवा में तीन-चार दिन का छोटा सा ब्रेक लिया था, लेकिन दोनों के बिज़ी शेड्यूल के कारण वे जल्दी ही अपने-अपने काम पर वापस लौट आए. जहां गौरव आईपीएल के चलते अपने काम में लग गए, वहीं कृतिका भी तुरंत अपने प्रमोशन्स और शूटिंग में जुट गईं.

करीबी सूत्रों के अनुसार ,कृतिका अपने समय को बहुत अच्छे से मैनेज कर रही हैं और मटका किंग के प्रमोशन के साथ-साथ अपनी फिल्म की शूटिंग भी कर रही हैं. उनका यह कमिटमेंट उनके काम के प्रति उनके जुनून को दिखाता है.

कृतिका कामरा ने कहा, 'यह मेरे लिए बहुत खूबसूरत और खास समय था, लेकिन मैंने पहले से ही तय किया था कि मैं शादी से पहले और बाद में ज्यादा लंबा ब्रेक नहीं लूंगी. मैं और गौरव दोनों फिर से अपने काम पर वापस आ गए हैं और नई एनर्जी के साथ काम कर रहे हैं.

अल्लू अर्जुन ने 'राका' का टाइटल किया जारी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन ने अपने जन्मदिन पर एटली के साथ अपनी अगली बड़ी फिल्म 'राका' का टाइटल जारी किया है. सुपरस्टार अल्लू अर्जुन अपनी अगली एक्शन से भरपूर फिल्म के साथ धमाका करने के लिए तैयार हैं, जिसमें वह एटली के साथ काम कर रहे हैं और दीपिका पादुकोण भी उनके साथ नजर आएंगी. यह एक भव्य, अल्लू अर्जुन के नेतृत्व वाली ब्लॉकबस्टर फिल्म बनने जा रही है.

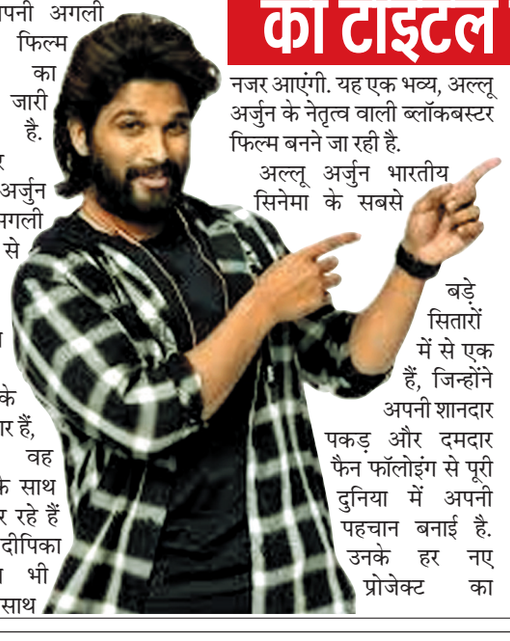

अल्लू अर्जुन भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं, जिन्होंने अपनी शानदार पकड़ और दमदार फैन फॉलोइंग से पूरी दुनिया में अपनी पहचान बनाई है. उनके हर नए प्रोजेक्ट का अपडेट दुनिया भर के फैंस बेसब्री से इंतजार करते हैं. अल्लू अर्जुन हमेशा अपने फैंस को बड़े सरप्राइज देने के लिए जाने जाते हैं, और इस बार भी कुछ अलग नहीं है. अल्लू अर्जुन ने अपने जन्मदिन के मौके पर एटली के साथ अपनी अगली फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया और साथ ही इसका टाइटल भी बताया.पोस्टर और टाइटल शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, 'सएए 22×ए 6 अब सराका है.खुद को एक नई और अनोखी दुनिया के लिए तैयार कर लें.

पोस्टर में अल्लू अर्जुन का एक बेहद चौंकाने वाला और पूरी तरह बदला हुआ लुक देखने को मिलता है.